खबर संक्षेप

शारदा माइंस के केबल चोर गिरोह का भंडाफोड

शहडोल। शारदा ओसीएम माइंस में सरकारी संपत्ति पर हाथ साफ करने वाले शातिर चोरों के खिलाफ खैरहा और अमलाई पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। मिस्टगन मशीन से कीमती विद्युत उपकरण उड़ाने वाले गिरोह के दो गुर्गों को पुलिस ने दस्तयाब कर लिया है, जबकि उनके तीन साथी अब भी पुलिस की रडार पर हैं। पुलिस ने न केवल आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा, बल्कि चोरी गया लाखों का मशरूका भी बरामद कर लिया है। वारदात 3 मार्च की दरमियानी रात की है, जब शारदा माइंस के सन्नाटे का फायदा उठाकर चोरों ने मिस्टगन मशीन को निशाना बनाया था। फरियादी आशीष कुमार श्रीवास्तव की रिपोर्ट के बाद पुलिस सक्रिय हुई। चोरों ने मशीन से कीमती मोटर, केबल और स्टार्टर पार कर दिए थे, जिससे खदान प्रबंधन में हडक्रंप मच गया था। पुलिस ने इसे चुनौती के रूप में लिया और अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र मणी पाण्डेय के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी शुरू की। विश्वसनीय मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने विकास नापित और दीपक पाव (निवासी ग्राम बकहो) को उठाकर सघन पूछताछ की। पहले तो दोनों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन जब पुलिस ने अपना खाकी अंदाज दिखाया, तो आरोपियों ने सारा सच उगल दिया। उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने चेतन केवट, जगन केवट और पप्पू नापित के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था।

रामाबाई अस्पताल कांड के मुख्य सरगना अब्राहम और प्रयास गिरफ्तार

खाकी के हत्थे चढ़े सेवा की आड़ में छिपे लुटेरे

एमओयू की आड़ में अस्पताल की तिजोरी पर डाका, रडार पर कई रसूखदार

शहडोल। धर्म और सेवा की आड़ में काली कमाई का साम्राज्य खड़ा करने वाले सफेदपोशों के खिलाफ शहडोल पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी स्ट्राइक की है। शहर के बहुचर्चित रामाबाई क्रिश्चियन अस्पताल के खजाने पर डाका डालने वाले मुख्य सरगना अब्राहम क्रिस्टी और प्रयास कुमार प्रकाश को पुलिस ने आखिरकार धर दबोचा है। करीब 15 करोड़ 39 लाख 58 हजार रुपये के इस मेगा गबन कांड ने न केवल शहर को झकझोर दिया है, बल्कि उन चेहरों को भी बेनकाब कर दिया है जो अस्पताल के संचालन के नाम पर करोड़ों की संपत्ति और संस्थान के भरोसे को डकार गए। यह गिरफ्तारी कोतवाली पुलिस की लंबी और पेचीदा जांच का नतीजा है, जिसने अपराध क्रमांक 870/22 के तहत कानून का शिकंजा कसते हुए फरार चल रहे इन दिग्गजों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

सेवा का चोला, नीयत में डकैती

इस पूरे विवाद की जड़ें साल 2012 में रखे गए एक समझौता ज्ञापन से जुड़ी हैं। दस्तावेजों के मुताबिक, अस्पताल की मालिक संस्था नेशनल मिशन सिक्यूरिटी ऑफ इंडिया ने अस्पताल के प्रशासन और सुचारू संचालन के लिए कुछ हाथों में जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन अब्राहम क्रिस्टी और प्रयास कुमार प्रकाश ने इस जिम्मेदारी को अपनी लूट की तिजोरी समझ लिया। एमओयू के तहत तय किए गए स्पष्ट नियमों और शर्तों को पैरों तले रौंदते हुए इन आरोपियों ने अस्पताल की संपत्ति, बैंक खातों और वित्तीय संसाधनों का उपयोग निजी जागीर की तरह करना शुरू कर दिया।

पाई-पाई के लिए तरसाया अस्पताल

पुलिस की जांच में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे रोंगटे खड़े कर देने वाले हैं। आरोप है कि 15,39,58,000 रुपये की विशाल राशि का सीधा दुरुपयोग किया गया। संस्था के हितों की बलिः अस्पताल की आय, दान और अन्य स्त्रोतों से प्राप्त फंड का उपयोग संस्था के उत्थान के बजाय निजी और अनधिकृत कार्यों में किया गया। संस्था की अनुमति के बिना मनमाने ढंग से आर्थिक निर्णय लिए गए, जिससे अस्पताल के वित्तीय ढांचे को अपूरणीय क्षति हुई। एमओयू की उन शर्तों का खुलेआम उल्लंघन किया गया, जिसमें स्पष्ट था कि अस्पताल की संपत्ति केवल निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही इस्तेमाल होगी।

ब्रीच ऑफ ट्रस्ट और धोखाधड़ी का मास्टरप्लान

यह मामला केवल कागजी हेरफेर या वित्तीय अनियमितता तक सीमित नहीं है। एफआईआर के अनुसार, यह सीधे तौर पर विश्वास की हत्या और सुनियोजित धोखाधड़ी का उदाहरण है। आरोपियों ने संस्थान द्वारा दिए गए अधिकारों का इस्तेमाल कर संस्थान को ही दीमक की तरह चाटना शुरू कर दिया। धोखाधड़ी के इस खेल में अस्पताल की आय और दान के पैसों को ऐसे रास्तों पर मोड़ा गया, जहाँ से उनकी वापसी नामुमकिन थी।

लंबे समय की फरारी और पुलिस का कड़ा पहरा

कोतवाली पुलिस लंबे समय से इन दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी थी। वित्तीय दस्तावेजों की सघन जांच, बैंक ट्रांजेक्शन की बारीकियां और प्रशासनिक रिकॉर्ड खंगालने के बाद पुलिस के हाथ ऐसे पुख्ता साक्ष्य लगे कि अब्राहम और प्रयास के पास भागने का कोई रास्ता नहीं बचा। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने कई अहम कडियां जोड़ी हैं जो यह साबित करती हैं कि यह गबन कोई भूल नहीं, बल्कि एक सोची-समझी डकैती थी।

अभी तो सिर्फ दो मोहरे फंसे हैं...

अब्राहम क्रिस्टी और प्रयास कुमार प्रकाश की गिरफ्तारी के बाद अब शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म है। पुलिस सूत्रों की मानें तो यह सिर्फ हिमशैल का सिरा है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की जा रही है, ताकि इस 15 करोड़ की बंदरबांट में शामिल अन्य पर्दे के पीछे के खिलाडिय़ों के नाम सामने आ सकें। पुलिस सूत्रों का दावा है कि जांच की आंच कई और रसूखदारों तक पहुँच सकती है। वित्तीय लेन-देन में किन-किन स्तरों पर किसने हस्ताक्षर किए और किसने इस लूट में मलाई खाई, इसकी विस्तृत सूची तैयार की जा रही है। पुलिस का कहना है कि चार्जशीट इतनी मजबूत तैयार की जा रही है कि आरोपियों का बचना नामुमकिन होगा।

कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा

शहडोल पुलिस की इस कार्रवाई ने एक कड़ा संदेश दिया है कि सेवाभावी संस्थाओं को लूट का अड्डा बनाने वालों के लिए समाज और कानून में कोई जगह नहीं है। शहर की जागरूक जनता अब यह देख रही है कि करोड़ों की इस लूट के अन्य किरदार कब तक कानून की नजरों से बच पाते हैं। रामाबाई क्रिश्चियन अस्पताल गबन कांड अब अपने निर्णायक मोड़ पर है। अब्राहम और प्रयास की गिरफ्तारी इस बहुचर्चित प्रकरण का अंत नहीं, बल्कि उस बड़े खुलासे की शुरुआत है जो शहडोल के कई अन्य सफेदपोशों के चेहरों से नकाब हटाएगी।

बेकाबू ट्रेलर ने एसईसीएल कर्मचारी को बेरहमी से कुचला

शहडोल। जिले के बुढार नेशनल हाईवे पर सोमवार को रफ्तार के सौदागरों ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियों को हमेशा के लिए मिट्टी में मिला दिया। जहां पूरा जिला होली के हुड़दंग और रंगों में डूबा था, वहीं टाटा मोटर्स के समीप एक बेलगाम ट्रेलर ने स्कूटी सवार एसईसीएल कर्मचारी राजेंद्र प्रसाद दुबे निवासी संजयनगर, अनूपपुर को ऐसी खौफनाक टक्कर मारी कि उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। त्योहार की मिठास पल भर में मातम की चीखों में तब्दील हो गई।

निर्माणाधीन सपनों को रौंद गया यमदूत

जानकारी के मुताबिक, राजेंद्र प्रसाद दुबे अपने निर्माणाधीन मकान का जायजा लेने स्कूटी से शहडोल जा रहे थे। उन्हें क्या पता था कि हाईवे पर पीछे से आ रहा मौत का यमदूत उनके जीवन की आखिरी यात्रा साबित होगा। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ट्रेलर चालक नशे या लापरवाही के जुनून में वाहन को लहराते हुए चला रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि राजेंद्र दुबे को संभलने का एक मौका तक नहीं मिला और सडक़ पर ही उनके प्राण पखेरू उड़ गए।

आरोपी फरार, पुलिस की थ्योरी पर सवाल

वारदात को अंजाम देने के बाद कायर चालक वाहन छोडक़र रफूचक्कर हो गया। बुढार पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर कागजी खानापूर्ति तो शुरू कर दी है, लेकिन सवाल यह उठता है कि त्योहार के दिन हाईवे पर गश्त और भारी वाहनों की रफ्तार पर लगाम कहाँ थी? क्या प्रशासन केवल हादसों के बाद शव उठाने के लिए मुस्तैद रहता है?

सडक़ सुरक्षा के नाम पर सिर्फ छलावा

हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बुढार हाईवे पर भारी वाहनों की गुंडागर्दी आम बात हो गई है। ह॥ पर न तो स्पीड ब्रेकर के पुख्ता इंतजाम हैं और न ही नियमों का पालन कराने वाला कोई तंत्र। पुलिस केवल अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर फाइल बंद न करे, बल्कि उस भगोड़े कातिल को सलाखों के पीछे भेजे जिसने एक बेगुनाह की जान ली है। प्रशासन मृतक के परिजनों को न्याय और उचित मुआवजा दिलाए, वरना जनता का गुस्सा सडक़ों पर उतरने को मजबूर होगा।

इनका कहना है...

टाटा मोटर्स की ओर जा रहे ट्रेलर से स्कूटी सवार की टक्कर हुई, जिससे उसकी मृत्यु हो गई, पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

विनय सिंह गहरवार
थाना प्रभारी, बुढ़ार

भाजपा नेता देवा चौधरी पर टांगे के वार, हाथ हुआ क्षत-विक्षत, रीवा रेफर

शहडोल। होली के हुड़दंग के बीच ब्यौहारी नगरीय क्षेत्र बुधवार शाम को रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। वार्ड क्रमांक-07 में पुरानी रंजिश की आग इस कदर भडक़ी कि पार्षद पति और भाजपा नेता देवा चौधरी पर टांगे (कुल्हाड़ी) से जानलेवा हमला कर दिया गया। हमला इतना वीभत्स था कि भाजपा नेता का दाहिना हाथ कटकर लगभग अलग हो गया है। ब्लॉक ऑफिस के पीछे सरेराह हुए इस खूनी संघर्ष से पूरे नगर में दहशत फैल गई है।

गाली-गलौज से शुरू हुआ मौत का खेल

जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब 05 बजे वार्ड 07 की पार्षद चंदा देवी के पति देवा चौधरी का विवाद मोहल्ले के ही पिंकू चौधरी से शुरू हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पहले दोनों पक्षों में तीखी बहस और गाली-गलौज हुई, लेकिन देखते ही देखते विवाद ने हिंसक मोड़ ले लिया। इसी बीच, रंजिश में अंधे हुए मोती चौधरी ने घर से धारदार टांगा निकाला और सीधा देवा चौधरी की गर्दन को निशाना बनाकर वार किया।

हाथ पर झेला वार, लहूलुहान होकर गिरे नेता

खुद को बचाने की कोशिश में देवा चौधरी ने जैसे ही हाथ आगे किया, टाँगे का भरपूर प्रहार उनके दाहिने हाथ पर लगा। वार इतना जबरदस्त था कि हाथ की हड्डियां और मांस पूरी तरह छत-विक्षत हो गए। खून की धार बहते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। आनन-फानन में देवा चौधरी को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

पुलिस की भूमिका और क्षेत्र में तनाव

घटना की सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस सक्रिय हो गई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज किया है, लेकिन मुख्य फोकस हमलावरों की गिरफ्तारी पर है। भाजपा नेता पर हुए इस हमले के बाद स्थानीय समर्थकों में भारी आक्रोश है और क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस प्रशासन को इस मामले में कड़ी कार्रवाई कर अपराधियों के मन में ऐसा खौफ पैदा करना चाहिए कि भविष्य में कोई ऐसी हिमाकत न कर सके।

10 साल का छल अब और नहीं!

समस्या सुलझाओ वरना बंद होगी खदान

शहडोल। रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना से प्रभावित किसानों के सब्र का बांध अब टूट चुका है। पिछले 10 वर्षों से हक और इंसाफ की लड़ाई लड़ रहे किसानों ने अब आर-पार के संघर्ष का मन बना लिया है। किसान नेता भूपेश शर्मा और वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुई एक विशाल बैठक में हुंकार भरी गई कि अब निवेदन का समय बीत चुका है, अब आंदोलन होगा। किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का तत्काल निराकरण नहीं हुआ, तो पूरी खदान का चक्का जाम कर दिया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

प्रबंधन पर वादाखिलाफी का आरोप

किसानों का कहना है कि एसईसीएल प्रबंधन ने लिखित आश्वासन तो कई बार दिए, लेकिन धरातल पर आज भी समस्याएं ज्यों की त्यों खड़ी हैं। प्रबंधन की तानाशाही इस कदर बढ़ गई है कि कई किसानों की जमीन का अधिग्रहण पूर्ण किए बिना ही वहां से पेड़ काटकर कोयला निकाल लिया गया, जो सीधे तौर पर अपराध की श्रेणी में आता है। किसान नेता भूपेश शर्मा ने दो-टूक कहा कि किसानों के साथ यह बर्ताव अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुआवजे से लेकर रोजगार तक का हिसाब

किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर और एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है। किसानों की मांग है कि संपूर्ण मुआवजे का एकमुश्त भुगतान और रुके हुए रोजगारों को तत्काल बहाल करना। पुनस्थापन की राशि को 7 लाख रुपये के वादे के अनुसार तुरंत वितरित करना। अधिग्रहण से छूटी हुई जमीनों (जहां रास्ता बंद हो चुका है) को भी अधिग्रहण की श्रेणी में लेना। बिना प्रक्रिया पूर्ण किए कोयला उत्खनन करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई।

दिग्गजों का मिला साथ, आंदोलन की तैयारी तेज

आज की अहम बैठक में पूर्व एसडीएम एवं कांग्रेस नेता रमेश सिंह, जिला पंचायत सदस्य शांति मनमोहन चौधरी, सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा और जनपद सदस्य चंद्र कुमार तिवारी सहित बड़ी संख्या में सरपंच और आसपास के गांवों के किसान मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि प्रशासन और प्रबंधन किसानों की चुप्पी को उनकी कमजोरी न समझे। प्रतिनिधिमंडल जल्द ही कलेक्टर और सीएमडी से मुलाकात करेगा। यदि परिणाम शून्य रहा, तो खदान पर ताला लटकना तय है।

शहडोल पुलिस की सरहद पार डकैती

ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत, छत्तीसगढ़ में एफआईआर दर्ज

शहडोल। शहडोल पुलिस के दामन पर एक बार फिर रेत के अवैध कारोबार और खून के छींटे लगे हैं। एमपी-छत्तीसगढ़ की सरहद पर स्थित बरना नदी में वर्दी की आड़ में वसूली का जो गंदा खेल खेला गया, उसका अंजाम एक 25 वर्षीय युवक सोनू चक्रवाह की मौत के रूप में सामने आया है। जैतपुर थाना क्षेत्र की दर्शिला चौकी के बेलगाम पुलिसकर्मियों ने न केवल मर्यादा लांघी, बल्कि बिना किसी आधिकारिक सूचना के दूसरे राज्य की सीमा में घुसकर रंगदारी का वह तांडव मचाया, जिसने पूरी खाकी को शर्मसार कर दिया है।

सरहद पार वसूली का खूनी मिशन

घटना किसी फिल्मी विलेन की साजिश जैसी है। प्रधान आरक्षक नितिन शुक्ला, राजीव प्रजापति और ग्राम रक्षा समिति का गुर्गा मधुर जायसवाल बिना किसी उच्च अधिकारी के आदेश के छत्तीसगढ़ की सीमा में जा घुसे। आरोप है कि वहां रेत से लदे ट्रैक्टर को जबरन अपने कब्जे में लेने के लिए चालक सोनू के साथ मारपीट की गई। दहशत में आकर जब चालक ने भागने का प्रयास किया, तो ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और सोनू की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस मौत का जिम्मेदार कौन है? क्या शहडोल पुलिस अब लुटेरों की तरह काम करेगी?

भागे पुलिसिया शूरवीर

सोनू की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा ज्वालामुखी बनकर फूटा। ग्रामीणों ने एमपी पुलिस के इन वसूली एजेंटों को ऐसा खदेड़ा कि वे अपनी सरकारी गाड़ी छोडक़र जान बचाकर भाग निकले। ग्रामीण इतने आक्रोशित थे कि उन्होंने ग्राम रक्षा समिति के सदस्य मधुर जायसवाल को दबोचकर छत्तीसगढ़ की केल्हारी पुलिस के हवाले कर दिया। यह घटना साबित करती है कि जनता की नजर में अब पुलिस रक्षक नहीं, भक्षक बन चुकी है।

छत्तीसगढ़ पुलिस का कड़ा प्रहार

शहडोल पुलिस के लिए इससे शर्मनाक क्या होगा कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने उनके दो प्रधान आरक्षकों के खिलाफ वसूली का आपराधिक मामला दर्ज किया है। शहडोल आईजी एन. चैत्रा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों प्रधान आरक्षकों को सस्पेंड कर दिया है और चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर किया है। छत्तीसगढ़ पुलिस अब इन भगोड़े पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

माफियाराज में पटवारी और एएसआई के बाद अब मासूम की बलि

यह वही शहडोल जिला है जहां रेत माफिया पहले भी एक पटवारी और एएसआई को मौत के घाट उतार चुके हैं, लेकिन इस बार तस्वीर बदली हुई है, यहां रक्षक ही भक्षक बनकर मासूमों की जान ले रहे हैं। सरहद पार की इस अवैध कार्रवाई ने प्रशासनिक तालमेल और वरिष्ठ अधिकारियों की मॉनिटरिंग पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। यह पुलिसिंग नहीं, सरेआम गुंडागर्दी है। वर्दी पहनकर वसूली के लिए सरहद लांघना और किसी की जान लेना जघन्य अपराध है। आरोपी पुलिसकर्मियों को तत्काल सलाखों के पीछे भेजा जाना चाहिए।

यूनिवर्सिटी में विज्ञान का महाकुंभ

नवाचार की गूंज और स्टार्टअप के संकल्प के साथ संपन्न हुआ

शहडोल। पंडित शंभू नाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के गलियारे शुक्रवार और शनिवार को केवल किताबी ज्ञान से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक क्रांति और नवाचार की ऊर्जा से सराबोर रहे। विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी एवं भौतिकी विभाग द्वारा मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद के समन्वय से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 ने विद्यार्थियों के भीतर सोए हुए शोधार्थी को जगाने का काम किया। यह आयोजन केवल रस्म अदायगी नहीं, बल्कि शहडोल से वैश्विक स्तर के वैज्ञानिक तैयार करने की दिशा में एक सशक्त हुंकार थी।

मॉडल्स और स्टार्टअप आइडिया में दिखा भविष्य का भारत

कार्यक्रम के दूसरे दिन 28 फरवरी को विश्वविद्यालय परिसर में रचनात्मकता का सैलाब उमड़ पड़ा। रंगोली, पोस्टर और पेंटिंग के जरिए जहां विद्यार्थियों ने विज्ञान की जटिलताओं को रंगों में पिरोया, वहीं स्टार्टअप इनोवेटिव आइडिया प्रेजेंटेशन में भावी उद्यमियों की झलक दिखाई दी। क्विज़ और मॉडल मेकिंग प्रतियोगिताओं ने साबित कर दिया कि विंध्य के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उन्हें एक सही मंच की तलाश थी। महिला वैज्ञानिकों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री ने छात्राओं के भीतर विज्ञान के क्षेत्र में नेतृत्व करने का जज्बा फूंक दिया।

विशेषज्ञों ने साझा किए विज्ञान के ब्रह्मास्त्र

विश्वविद्यालय ने इस आयोजन को वैश्विक टच देते हुए स्वीडन की लुलेआ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओमप्रकाश सरकार को जोड़ा, जिन्होंने जैव ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा की वैश्विक संभावनाओं पर विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। वहीं, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के डॉ. नागेंद्र चंदवंशी ने जैव प्रौद्योगिकी को पर्यावरण और स्वास्थ्य समस्याओं का संजीवनी समाधान बताया। इन व्याख्यानों ने छात्र-छात्राओं को किताबी दायरे से बाहर निकलकर दुनिया की बड़ी चुनौतियों पर सोचने के लिए मजबूर किया।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने अपने ओजस्वी उद्बोधन से विद्यार्थियों में जोश भरते हुए कहा कि विज्ञान दिवस महज एक कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि वैज्ञानिक चिंतन का संकल्प है। उन्होंने दो-टूक लहजे में कहा कि आज की वैश्विक चुनौतियां जलवायु परिवर्तन से लेकर स्वास्थ्य संकट तक केवल प्रयोगशालाओं में नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की स्टार्टअप संस्कृति और नवाचार से हल होंगी। कुलगुरु ने परंपरागत ज्ञान और आधुनिक शोध के समन्वय पर जोर देते हुए राष्ट्र निर्माण में विज्ञान की भूमिका को सर्वोपरि बताया।

समापन सत्र में विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. प्रवीण शर्मा, डॉ. उमा सिंह और डॉ. श्वेता चतुर्वेदी की गरिमामयी उपस्थिति में विजेता मेधावियों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाकर खिले हुए चेहरे इस बात का प्रमाण थे कि यह आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. योगिता बसेने ने विश्वविद्यालय प्रशासन और परिषद के प्रति आभार व्यक्त किया।

असम का लाल तिरंगा थामे पहुंचा अमलाई 303 दिन और 6000 किमी का सफर तय कर जगाई नशामुक्ति की अलख

अमलाई। जब हौसले फौलादी हों और लक्ष्य देश सेवा का हो, तो दूरियां बौनी पड़ जाती हैं। असम की धरती से निकला 25 वर्षीय युवा पल्लव देव आज देश के युवाओं के लिए एक लिविंग लीजेंड बन चुका है। हाथों में आन-बान-शान का प्रतीक तिरंगा और कंधों पर भारी भरकम उम्मीदों का बैग लेकर निकले पल्लव देव सोमवार को अपनी भारत यात्रा के 303वें दिन अनूपपुर जिले के अमलाई पहुंचे। 6020 किलोमीटर से अधिक की अविश्वसनीय पदयात्रा कर चुके पल्लव का एक ही नारा है, नशामुक्त समाज ही सशक्त भारत की नींव।

असम के श्रीभूमि जिले के रहने वाले पल्लव देव का सपना भारतीय सेना में शामिल होकर सरहद की रक्षा करना था। किस्मत ने साथ नहीं दिया और वर्दी का सपना अधूरा रह गया, लेकिन पल्लव ने हार नहीं मानी। उन्होंने तय किया कि वे सीमा पर न सही, तो समाज के भीतर छिपे नशे के दानव से लडक़र देश की सेवा करेंगे। 5 मई 2025 को शुरू हुआ यह संकल्प आज एक जन-आंदोलन बन चुका है। असम, बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ होते हुए अब यह योद्धा मध्य प्रदेश की सडक़ों पर अपनी पदचाप छोड़ रहा है।

अमलाई पहुंचने पर पल्लव देव का भव्य और ऐतिहासिक स्वागत हुआ। नगर परिषद बरगवां के पार्षद और प्रख्यात समाजसेवी पवन चीनी ने अपनी मित्र मंडली के साथ पल्लव का अभिनंदन किया। पवन चीनी की टीम ने इस साहसी युवक की जीवटता की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में जहां युवा नशे की गर्त में डूब रहे हैं, वहां पल्लव जैसा व्यक्तित्व किसी मसीहा से कम नहीं है। पल्लव ने भी अमलाई वासियों के प्रेम और पवन चीनी की टीम के सेवा भाव की दिल खोलकर प्रशंसा की।

खबर संक्षेप

किसान की गृहस्थी स्वाहा, सोता रहा प्रशासन

उमरिया। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र के ग्राम बरौदा में सोमवार की काली रात एक गरीब किसान परिवार पर कहर बनकर टूटी। मोहन पिता गुलजारी के आशियाने में अचानक भड़की भीषण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते पीड़ित की जीवन भर की कमाई अनाज, कपड़े, फर्नीचर और बर्तन राख के ढेर में तब्दील हो गई। लाखों का नुकसान हुआ है, लेकिन विडंबना देखिए कि आग बुझने के घंटों बाद भी कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर झांकने तक नहीं पहुंचा।

ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा - आग की लपटें इतनी खौफनाक थीं कि पूरा गांव दहल उठा। जब सरकारी दमकल और तंत्र नदारद था, तब ग्रामीणों ने खुद के जान की बाजी लगाकर मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि परिवार के सदस्य समय रहते बाहर निकल आए, वरना कोई बड़ी जनहानि हो सकती थी।

कागजों में सिमटा संवेदनशील शासन- हादसे के इतने समय बीत जाने के बाद भी किसी राजस्व अधिकारी (पटवारी या तहसीलदार) का मौके पर न पहुंचना शासन के संवेदनशील होने के दावों की पोल खोलता है। पीड़ित किसान खुले आसमान के नीचे दाने-दाने को मोहताज है, मगर साहबों के पास मुआयना करने का वक्त नहीं है।

बेकाबू शव वाहन ने छीन ली संजू की सांसे, देवगांव कला में पसरा सन्नाटा

उमरिया/नौरोजाबाद। जब पूरा इलाका रंगों की मस्ती और गुलाल के शोर में सराबोर था, तब नौरोजाबाद के हनुमान टेक क्षेत्र में मौत का एक ऐसा खूनी खेल खेला गया जिसने मानवता को झकझोर कर रख दिया। एक ओर खुशियों की गूंज थी, तो दूसरी ओर एक गरीब परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। विडंबना देखिए, जिस शव वाहन का काम अंतिम विदाई देना है, उसी ने रफ्तार के जुनून में 40 वर्षीय संजू कोल पिता स्व. बिहारी कोल की जिंदगी छीन ली।

यमदूत बना शव वाहन, मौके पर ही थमी धड़कनें- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, देवगांव कला निवासी संजू कोल पैदल अपने घर की ओर जा रहा था, तभी न्यू पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार शव वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजू को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मानवता को शर्मसार करते हुए, आरोपी चालक घायल की मदद करने के बजाय वाहन लेकर रफूचक्कर हो गया।

पुलिस की कार्रवाई और परिजनों का विलाप- सूचना मिलते ही नौरोजाबाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया, लेकिन तब तक खुशियां मातम में बदल चुकी थीं। होली के दिन जिस घर में पकवान बनने थे, वहां अब चीख-पुकार मची है। सवाल यह उठता है कि क्या त्यौहार के दिन सड़कों पर दौड़ते इन यमदूतों पर लगाम लगाने वाला कोई नहीं है?

निजामुद्दीन से अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन का कोतमा में शुरू हुआ स्टॉपेज

कोतमा। नगर के लोगों की लंबे समय से अंबिकापुर से निजामुद्दीन एवं निजामुद्दीन से अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज कोतमा में किए जाने की मांग की जा रही थी। सांसद हिमाद्री सिंह की मांग पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के द्वारा कोतमा में स्थापित की घोषणा की गई थी साथ ही चार एवं 5 मार्च से रेल प्रशासन के द्वारा कोतमा में स्टॉपेज की समय सारणी भी घोषित कर दी गई थी। आखिर रंगो उत्सव के पर्व पर नगर वासियों को निजामुद्दीन अंबिकापुर ट्रेन का स्टॉपेज मिल ही गया। बुधवार को पहले दिन निजामुद्दीन से चलकर अंबिकापुर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन कोतमा में 2 मिनट का स्टॉपेज की जिसमें काफी संख्या में यात्री कोतमा स्टेशन में उतरे वही नगर वासियों ने स्टेशन पहुंचकर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब हमारे यहां से भी दिल्ली दूर नहीं है दिल्ली के लिए अब सीधी ट्रेन कोतमा में रुकनी शुरू हो गई है। गुरुवार को अंबिकापुर से चलकर निजामुद्दीन के लिए भी एक्सप्रेस ट्रेन 2 मिनट रुकी जिससे नगर वासियों ने खुशी जाहिर करते हुए सांसद हिमाद्री सिंह एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बधाई दी।

मासूम को पैसे का लालच देकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

उमरिया।

इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक ऐसी वारदात सामने आई है, जिसने मानपुर क्षेत्र के हर संवेदनशील नागरिक का खून खौला दिया है। एक तरफ जहां समाज बेटियों को पूजता है, वहीं दूसरी तरफ रवि सिंह जैसे नरपिशाच मासूमों की अस्मत से खेलने का दुस्साहस कर रहे हैं। 8 साल की एक मासूम बच्ची को आरोपी द्वारा रुपयों का लालच देकर अपनी हवस का शिकार बना डाला।

खेत में रची गई काली साजिश

घटना की संवेदनशीलता और भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आरोपी रवि सिंह ने बड़ी चालाकी से बच्ची को पैसों का प्रलोभन दिया। मासूम को क्या पता था कि जिस गांव में वह पली-बढ़ी, वहीं का एक शख्स उसके लिए काल बन जाएगा। आरोपी उसे बहला-फुसलाकर गांव के बाहर एकांत खेत में ले गया, जहां उसने अपनी मर्यादा और कानून की सारी हदें पार करते हुए मासूम के साथ जबरन दुष्कर्म किया।

सख्त सजा से कम कुछ भी मंजूर नहीं

जैसे ही लहूलुहान हालत में घर पहुंची मासूम ने अपनी आपबीती सुनाई, पूरे इलाके में बिजली की तरह आक्रोश फैल गया। ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और आरोपी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों का कहना है कि ग्रामीण परिवेश में जहां एक-दूसरे पर भरोसा किया जाता है, वहां रवि सिंह जैसे भेड़ियों ने उस विश्वास का कत्ल किया है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे अपराधियों के लिए समाज में कोई जगह नहीं होनी चाहिए और इसे फास्ट-ट्रैक कोर्ट के जरिए फांसी के फंदे तक पहुंचाया जाए।

सलाखों के पीछे पहुंचा दरिंदा

मामले की गंभीरता को देखते हुए मानपुर थाना पुलिस ने तत्परता दिखाई। जांच अधिकारी राजेंद्र यादव के नेतृत्व में टीम ने बिना वक्त गंवाए दबिश दी और आरोपी रवि सिंह को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी श्री यादव ने स्पष्ट किया है कि चिकित्सकीय परीक्षण और अन्य साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और चार्जशीट इतनी मजबूत होगी कि अपराधी का बचना नामुमकिन होगा।

जागरूक समाज ही बनेगा सुरक्षा कवच

इस घटना ने सुरक्षा इंतजामों और सामाजिक चेतना पर गहरा प्रहार किया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को अजनबियों तो क्या, संदिग्ध परिचितों से भी सावधान रहने की सीख दें। अपराधियों के मन में कानून का खौफ पैदा करने के लिए पीड़ितों का आगे आना और समाज का एकजुट होना अनिवार्य है।

इनका कहना है...

अपराधी कितना भी रसूखदार क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। हम कोर्ट से कड़ी से कड़ी सजा की मांग करेंगे ताकि समाज में एक नजीर पेश की जा सके।

राजेंद्र यादव
जांच अधिकारी, मानपुर

मानपुर में डीजे बंद करने पर भड़का युवक सिर पर टंगिया से किया प्राणघातक वार

उमरिया।

जहां पूरा इलाका होली की खुशियों में सराबोर था, वहीं मानपुर के छपरा टोला में खून की होली खेली गई। महज़ डीजे बंद करने जैसी मामूली बात पर एक युवक इस कदर हैवान बन गया कि उसने अपने ही रिश्तेदार के सिर पर टंगिया (कुल्हाड़ी) से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस सनसनीखेज वारदात ने त्यौहार के उल्लास को मातम और दहशत में बदल दिया। हालांकि, उमरिया पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए खून के प्यासे आरोपी को चंद घंटों के भीतर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

आरोपी की सरेआम गुंडागर्दी

हैवानियत यहीं नहीं रुकी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने प्रत्यक्षदर्शी महिला ममता सिंह को भी टंगिया दिखाकर धमकाया। उसने चीखते हुए कहा कि अगर किसी को बताया तो तुझे भी टंगिया से काट डालूँगा। आरोपी की इस दबंगई से पूरे मोहल्ले में सन्नाटा पसर गया। घायल दीपक को आनन-फानन में मानपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर कर दिया है। दीपक अभी भी जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है।

सिर पर किया सीधा प्रहार

घटना बुधवार सुबह करीब 5 बजे की है। जानकारी के अनुसार, आरोपी सुनील सिंह गोंड और पीड़ित दीपक सिंह के बीच डीजे बजाने और उसे बंद करने को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी सुनील आपा खो बैठा और घर से टंगिया निकाल लाया। उसने जान से मारने की नीयत से दीपक के सिर पर सीधा प्रहार किया। वार इतना घातक था कि दीपक लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा।

चंद घंटों में धरा गया आरोपी

वारदात की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी और एएसपी सीताराम के सख्त निर्देशों पर मानपुर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी शुरू की। अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) पी.एस. परस्ते के मार्गदर्शन में टीम ने दबिश देकर आरोपी सुनील सिंह उम्र 23 वर्ष को उसके छिपे हुए ठिकाने से दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 333, 109 और 351(3) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

हायर सेकेण्डरी कि विभिन्न विषयों की परीक्षा संपन्न

उमरिया।

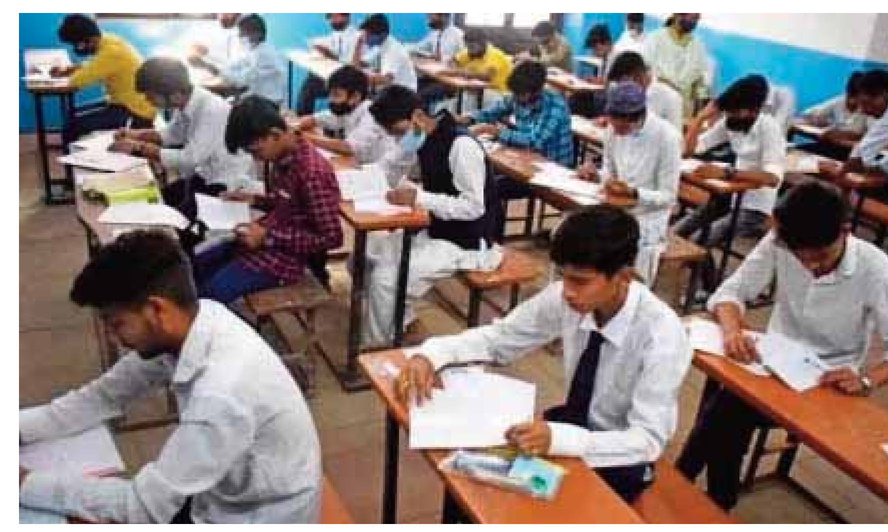

हायर सेकेण्डरी कि भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन एण्ड हॉर्टीकल्चर, शरीर रचना क्रिया विज्ञान एवं स्वास्थ्य विषय की परीक्षा 32 परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न हुई। हायर सेकेण्डरी भूगोल विषय की परीक्षा में कुल दर्ज 1519 परीक्षार्थियों में से 1490 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, वही 29 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे तथा हायर सेकेण्डरी क्रॉप प्रोडक्शन एण्ड हॉर्टीकल्चर विषय की परीक्षा में कुल दर्ज 92 परीक्षार्थियों में से 91 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी वहीं 1 छात्र अनुपस्थित रहा। इसी तरह हायर सेकेण्डरी शरीर रचना क्रिया विज्ञान एवं स्वास्थ्य विषय की परीक्षा में कुल दर्ज 48 परीक्षार्थियों में से 47 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी वहीं एक छात्र अनुपस्थित रहा।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन में जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों पर निरीक्षण दलों द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी मण्डल परीक्षा अभय सिंह द्वारा मण्डल के निर्देशानुसार परीक्षा केन्द्रों में नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधियों द्वारा प्रश्नपत्र थाने से निकालने एवं परीक्षा केन्द्र तक ले जाने व परीक्षा केन्द्र में मोबाईल एप के माध्यम से किये जाने वाले कार्य की मॉनीटरिंग की गई व समय पर सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा प्रारंभ होने के उपरांत निर्धारित प्रारूप में जानकारी माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल की ओर भेजने के निर्देश दिये गये। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा मण्डल परीक्षा से संबंधित समस्त गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुये निरंतर सभी कार्यों की मॉनीटरिंग प्रतिदिन की जा रही है।

जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस.मरावी द्वारा परीक्षा केन्द्र शा.उ.मा.वि. जरहा, शा.उ.मा.वि. घुलघुली, शा.उ.मा.वि. पिनौरा एवं शा.उ.मा.वि. बालक नौरोजाबाद का निरीक्षण किया गया, परीक्षा शांति पूर्वक एवं सुचारू रूप से संचालित होना पायी गयी। परीक्षा में किसी भी परीक्षा केन्द्र में नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुये। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा व्यवस्था एवं संचालन मंडल के निर्देशानुसार उचित एवं व्यवस्थित पायी गयी, सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस बल तैनात पाया गया। परीक्षा केन्द्रों पर 144 धारा लगाने के फलस्वरूप बाहय भीड़ एवं असमाजिक तत्वों की भीड़ नहीं दिखाई दी, परीक्षायें शांति पूर्ण संचालित पायी गयी ।

हास्य व्यंग कवि सम्मेलन का किया गया आयोजन

रंगों का त्योहार रंगोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

उमंग, उल्लास का प्रतीक रंगों का त्योहार रंगोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कोतमा, भालूमाड़ा, जमुना सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र रंगों से सराबोर रहा। चारों ओर अबीर-गुलाल उड़ा। डीजे की धुन और ढोल की थाप पर बच्चे व युवा झूमते रहे और एक-दूसरे पर रंग उड़ेलते रहे। लोगों ने गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।

महिलाओं ने भी जमकर खेली होली

धुरेड़ी पर मंगलवार एवं बुधवार को दिन निकलते ही बच्चों व युवा रंगों से भरी पिचकारियों, गुलाल व गुब्बारे आदि लेकर एक दूसरे को रंगने में जुट गए। जैस-जैसे दिन चढ़ना शुरू हुआ, वैसे ही होली का खुमार सर चढ़कर बोलने लगा। फिल्मी गीतों की धुन व ढोल की थाप गूंजने लगे। बच्चों से लेकर बड़ों ने रंगों से सराबोर होकर नृत्य किया। छोटे-छोटे बच्चे रंगों में रंगे नजर आए। वहीं, अन्य लोग भी घरों से निकलकर सड़क पर खेलते दिखाई दिए। महिलाओं ने भी जमकर होली खेली गली-मोहल्लों में डीजे पर गानों की धुनों व ढोल की थापों पर जमकर नृत्य किया। दोपहर तक युवाओं की टोली गली-मोहल्लों में घूमकर रंग-गुलाल उड़ाती रही।

सुरक्षा के मद्देनजर फोर्स रही तैनात

पुलिस ने गली-मोहल्लों में गश्त किया। नगर व ग्रामीण क्षेत्र में रंगों का त्योहार हर्षोल्लास से शांतिपूर्वक मनाया गया। रंग व गुलाल से होली खेली गयी। नगर में भजिया व ठंडाई का वितरण हुआ।

कपड़ा फाड़ होली

नगर के बस स्टैंड, गांधी चौक, आजाद चौक में डीजे की धुन पर नाचते युवाओं ने खूब अबीर गुलाल उड़ाया। और एक दूसरे के कपड़े को फाड़कर जमकर रंग बरसाए और डीजे की धुन पर नाचते दिखे। नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, उपाध्यक्ष बैशाली बद्री प्रसाद ताम्रकार के द्वारा नगर के गांधी चौक, आजाद चौक, बस स्टैंड में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था करते हुए पानी की बौछार दो दिनों तक करवाते रहे। महिलाएं बच्चे एवं बड़े जमकर होली का लुफ्त उठाया। कोतमा व आसपास के कोयलांचल व ग्रामीण क्षेत्र में धुरेड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। भगवान शंकर के भेष में भोले बाबा ने जमकर डांस किया। क्षेत्र में एक दूसरे ने अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। दोपहर बाद नगर व आसपास के हजारों स्त्री-पुरुष आजाद चौक पर एकत्र हुए। और जमकर महिलाएं बच्चे होली का आनंद उठाते नजर आए। कोतमा नगर में होली का पर्व उल्लास से मनाया गया। लोगों ने एक दूसरे को गुलाल व रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। लोग सुबह से ही टोली बनाकर एक दूसरे को बधाईयां देते रहे। ग्रामीण क्षेत्रों मे होली का पर्व धूमधाम और शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। गांवों में युवा सड़क से गुजर रहे लोगों पर रंग लगाते नजर आए। कोतमा नगर में होली पर सुबह से बच्चों ने पिचकारी में रंग भरकर एक-दूसरे को भिगोया। बच्चों के अलावा बडों ने भी एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। युवकों ने डीजे पर जमकर डांस किया। जगह-जगह होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस भी अलर्ट रही। क्षेत्र मे होली पर्व शान्तिपूर्वक मनाया गया।

जगह-जगह हुआ फाग

होली का त्यौहार हो और भाग की बात ना हो ऐसे में होली का पर्व अधूरा सा लगता है। होली पर्व को लेकर मंगलवार से ही नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह भाग की टीम ने फगुआ गाकर होली पर्व को और खुशनुमा बना दिया यह सिलसिला सुबह से लेकर देर रात तक चलता रहा।

कवि सम्मेलन

नगर की गांधी चौक में पूर्व की भांति बुधवार को हास्य व्यंग कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया था। कवि सम्मेलन में श्रोताओं ने हास्य व्यंग की कविता सुनकर जमकर ठहाके लगाएं।

थाना जैतहरी द्वारा अवैध शराब बिक्री पर रेड की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। 02 मार्च को थाना जैतहरी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड क्रमांक 14, जैतहरी निवासी हुकुमचन्द राठौर द्वारा अपने घर की बाड़ी में शौचालय के पास अवैध रूप से शराब विक्रय हेतु रखी गई है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल बताए गए स्थान पर पहुंचकर दबिश दी गई। मौके पर बाड़ी में बने शौचालय के पास एक व्यक्ति खड़ा मिला, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम हुकुमचन्द पिता कामता प्रसाद राठौर, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 14, जैतहरी बताया। तलाशी के दौरान शौचालय के पास से निम्नानुसार अवैध शराब बरामद की गई। दो सफेद एवं दो हरे रंग की प्लास्टिक कुप्पियों में प्रत्येक में 05-05 लीटर, कुल 20 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब (अनुमानित कीमत 2,000)। एक सफेद प्लास्टिक बोरी में 20 पाव। एक हल्दी रंग की प्लास्टिक बोरी में 44 क्वार्टर। कुल मिलाकर देशी एवं अंग्रेजी शराब 30.926 लीटर, जिसकी अनुमानित कुल कीमत 13,520 है, बरामद की गई। आरोपी से शराब रखने एवं विक्रय संबंधी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, किन्तु वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। अतः उसका कृत्य आबकारी एक्ट की धारा 34 (ए) के अंतर्गत दंडनीय पाए जाने पर मौके पर ही समस्त शराब को विधिवत जप्ती पत्रक तैयार कर जप्त किया गया। आरोपी हुकुमचन्द राठौर निवासी जैतहरी के विरुद्ध धारा 34 (ए) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी निरीक्षक अमर वर्मा, उपनिरीक्षक अमरलाल यादव, उपनिरीक्षक जे.पी.एच. तिर्की, प्रधान आरक्षक 141 मनोज सिंह एवं आरक्षक 312 मनीष सिंह तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

पकरिया में पानी टंकी के पास शासकीय भूमि पर कब्जे की होड़, गरीब की झोपड़ी पर भी दबंगों का कब्जा, प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पकरिया में पानी टंकी के पास स्थित शासकीय भूमि पर इन दिनों अवैध कब्जों की होड़ मची हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कुछ प्रभावशाली लोग भर्रा टोला के आदिवासी परिवारों, विशेषकर महिलाओं को आगे कर पहले शासकीय जमीन पर कब्जा करवाते हैं और बाद में उक्त भूमि को बेच देते हैं। हाल ही में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें कब्जा कर जमीन डेढ़ लाख रुपये में बेचे जाने की चर्चा है। ग्रामीणों के अनुसार इसी क्रम में एक गरीब परिवार के ओमप्रकाश साहू द्वारा बनाए गए छोटे से घर पर भी जबरन कब्जा कर लिया गया। आरोप है कि विरोध करने पर धमकी दी जाती है। बताया जा रहा है कि जिस शासकीय भूमि पर कब्जा किया जा रहा है, वहीं भविष्य में पीडीएस भवन, पंचायत भवन, गौशाला एवं बच्चों के खेल मैदान का निर्माण प्रस्तावित है। पास में ग्राम पंचायत का शौचालय भी निर्मित है, फिर भी अतिक्रमण जारी है। स्थानीय नागरिकों

ने थाना कोतमा प्रभारी एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है, ताकि आगामी योजनाएं प्रभावित न हों।

इनका कहना है

मैंने तहसीलदार से बात की है। उन्होंने कहा है कि त्यौहार समाप्त होने के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

राजू राम जोशी, सचिव ग्राम पंचायत पकरिया

मैंने तहसीलदार को फोन लगाया था, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। अभी छुट्टी का समय है और इसी दौरान अतिक्रमण किया जा रहा है। होली की छुट्टी बीत जाने के बाद मैं विधिवत पत्र बनाकर तहसीलदार को दूंगा और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कराई जाएगी।

संतोष सिंह गोड, सरपंच ग्राम पंचायत पकरिया

खबर संक्षेप

धरा गया तस्कर, 730 ग्राम गांजा किया जब्त

कटनी। बरही पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक तस्कर को गिरफ्तार कर गांजा बरामद किया है। जानकारी के अनुसार बरही थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि खितौली स्टेशन तिराहा क्षेत्र में एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में मादक पदार्थ की तस्करी के इरादे से खड़ा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उसे धर दबोचा। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान धरीनाम विश्वकर्मा 48 वर्ष पिता छोटे लाल विश्वकर्मा, निवासी करौदी कला के रूप में हुई है। पुलिस ने जब हत आरोपी की तलाशी ली, तो उसके कब्जे से 730 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। बरामद किए गए गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 7,300 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने गांजा जब्त कर धरीनाम विश्वकर्मा के खिलाफ बरही पुलिस ने NDPS एक्ट की धारा 8/20 के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी यह गांजा कहाँ से लाया था और किसे सप्लाई करने वाला था।

विषपान एवं फांसी लगाने दो लोगों की हुई मौत

कटनी। स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम जुजावल में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान रामू भूमिया निवासी कउआ मोड कछारगांव के रूप में हुई है। शव जुजावल के जंगल में एक बरगद के पेड़ से लटका मिला। घटना 4 मार्च को दोपहर 12 से शाम 6 बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की है। इसी तरह रीठी थाना क्षेत्र के ग्राम हथकुरी निवासी संदीप चौधरी 25 वर्ष ने अज्ञात कारणों से जहरीली दवा का सेवन कर लिया था। हालत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल कटनी में भर्ती कराया गया जहाँ इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

चाकू लेकर घूम रहे युवक को किया गया गिरफ्तार

कटनी। रंगनाथ नगर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक युवक को धारदार हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि रंगनाथ मंदिर के पीछे स्थित मैदान में एक संदिग्ध युवक अवैध हथियार लेकर किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही रंगनाथ नगर पुलिस की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की। पुलिस टीम ने मौके पर पहुँचकर देखा कि नीम के पेड़ के नीचे एक युवक संदिग्ध रूप से छिपा हुआ था। पुलिस को देखते ही उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की पहचान अंकित वंशकार 20 वर्ष पिता नत्थू उर्फ नच्चू वंशकार, निवासी मरघटाई के पीछे, गड्ढा टोला (वंश स्वरूप वार्ड) के रूप में हुई है।

आज केसरवानी वैश्य समाज में रंगोत्सव पावन पर्व पर समाज के महिला व पुरुष तरूण बड़ी संख्या में पहुंचे होली मिलन समारोह

ब्योहारी। ब्योहारी में केसरवानी वैश्य समाज के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में केसरवानी वैश्य समाज अध्यक्ष श्री चन्द्रशेन गुप्ता जी मार्गदर्शन में महिला सभा व तरूण सभा केसरवानी समाज के महिला पुरूष व तरूण के लोग केसरवानी धर्मशाला के मैदान में उपस्थित होकर रंगोत्सव पावन पर्व व होली मिलन समारोह आयोजित किया गया ब्योहारी केसरवानी वैश्य समाज के तत्वावधान में हर साल कि तरह इस साल भी केसरवानी धर्मशाला के मैदान में *भगवान कश्यप गोत्राचार्य जी के छाया चित्र पर फूल माला पहनाकर कर आज के कार्यक्रम अध्यक्ष व उपास्थि वारिष्ठ व समाज केसरवानी समाज के महिला पुरूष लोग दीप प्रज्वलित कर के बाद रंगोत्सव व होली मिलन में समाज के वरिष्ठ लोगों व केसरवानी वैश्य समाज से तीन सभा के अध्यक्ष सहित पदाधिकारी, महिला सभा अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी व तरूण सभा के पदाधिकारी सहित समाज से पुरूष, महिला उपस्थित होकर रंगोत्सव पावन पर्व पर होली मिलन हुआ एक दूसरे ऊपर *गुलाल अबीर डाल से खेली गई रंगोत्सव (होली) फिर एक दूसरे के गले मिल मनाया गया रंगोत्सव होली मिलन समारोह संपन्न हुआ

हत्या के प्रयास के तीन आरोपी गिरफ्तार एक अब भी फरार; पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बुढार। शहडोल जिले के बुढार थाना अंतर्गत रिजनल गेट के पास होली पर्व के दौरान हुए जानलेवा हमले के मामले में नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में एक आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है, जिसकी तलाश जारी है।

क्या है मामला ?

घटना 4 मार्च 2026 की है। फरियादी राहुल उर्फ रवि लोधी (27 वर्ष) ने थाना बुढार में रिपोर्ट दर्ज कराई कि पुरानी रंजिश के चलते अन्नू बैरागी और उसके साथियों ने उसके भाई रोहित लोधी पर चाकू और लात-घूंसों से हमला कर दिया। हमला इतना गंभीर था कि रोहित लोधी के गले के दाहिने, बाएं और पीछे के हिस्से में गहरे घाव आए। बीच-बचाव करने आए अंश और विक्की को भी चोटें आईं, जिनका उपचार बुढार अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हत्या के प्रयास (Attempt to Murder) सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

पुलिस की कार्रवाई

थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में गठित टीम ने घेराबंदी कर 5 मार्च 2026 को तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम निम्न हैं:अन्नू बैरागी उर्फ अनिल बैरागी (32 वर्ष) सुनील बैरागी (34 वर्ष) भूषण उर्फ अजयदास बैरागी (32 वर्ष) ये सभी आरोपी वार्ड नंबर 03, रिजनल बुढार के निवासी हैं। घटना के बाद से ही आरोपी जग्गा उर्फ अजीत बैरागी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

बी.स.सी.आई लेवल-1 एम्पायर डा. राकेश त्रिपाठी को रॉयल निमाड़ ईगल्स का ब्रांड एम्बेस्डर बनाये जाने पर हर्ष व्याप्त

बुढार। बी.सी.सी.आई लेवल-1 एम्पायर एवं क्रीड़ा भारती के प्रान्त मंत्री डा. राकेश त्रिपाठी को म.प्र. क्रिकेट लीग एम.पी.सी.एल. की टीम रॉयल निमाड़ ईगल्स का ब्रांड एम्बेस्डर बनाये जानें पर संभाग एवं जिले के क्रिकेट प्रेमियों तथा स्नेहियों में प्रसन्नता व्याप्त है। बी.सी.सी.आई. लेवल-1 एम्पायर डा. राकेश त्रिपाठी म.प्र. क्रिकेट संघ द्वारा ग्वालियर में आयोजित होने वाले सिंधिया ट्राफी एम.पी.सी.एल.-2026 के द्वितीय संस्करण में फ्रेंचाइजी टीम रॉयल निमाड़ ईगल्स की ओर से ब्रांड एम्बेस्डर की भूमिका का निर्वहन करेंगे।डा. त्रिपाठी इसके पूर्व आज 6 मार्च को रीवा स्थित अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय एम.पी.एस.सी. के खेल मैदान में अपनी सहभागिता निभाएंगे। खण्डवा, इंदौर में एम.पी.सी.एल टैलेंट हंट का ट्रायल हो जाने के उपरांत अब भोपाल में इसका ट्रायल आयोजित होगा। क्रिकेट प्रतिभाओं को एम.पी.सी.एल. के मंच में स्थान बनानें का स्वर्णिम अवसर क्रिकेट प्रतिभाओं को अर्जित कराया जा रहा है, जिस हेतु

ऑनलाइन पंजीयन 19 वर्ष से अधिक उम्र के क्रिकेट खिलाड़ी इसका हिस्सा बन सकेंगे।जाने-माने एम्पायर डा. राकेश त्रिपाठी को क्रिकेट खेल के क्षेत्र में उनकी रुचि, लगन एवं मेहनत के फलस्वरूप क्रिकेट के ब्रांड एम्बेस्डर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की गई है और उनकी इस उपलब्धि पर संभाग एवं जिले के क्रिकेट प्रेमियों में हर्ष व्याप्त है।

बेखौफ बदमाशों ने युवक के गले पर उतारा चाकू, सूचना के बाद भी सोती रही पुलिस

शहडोल। बुढार में कानून-व्यवस्था का जनाजा निकल चुका है। जिस होली पर खुशियों के रंग बरसने थे, वहां बदमाशों ने खूनी खेल खेलकर दहशत फैला दी। पुरानी रंजिश के चलते एक सनकी हमलावर ने चार युवकों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिसमें एक युवक की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस को वारदात की आहट पहले से थी, लेकिन खाकी की लापरवाही ने अपराधी को खूनी बनने का पूरा मौका दिया।

गले पर किया जानलेवा प्रहार

जानकारी के अनुसार, अन्नू दास बैरागी नामक युवक ने रंजिश के चलते रोहित लोधी, विक्की, अट्टू और छोटू लोधी पर हमला बोल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी ने रोहित लोधी के गले और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से गहरे घाव किए हैं। लहूलुहान रोहित को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। वारदात के बाद आरोपी सीना तानकर फरार हो गया और पुलिस लकीर पीटती रह गई।

साहब, हमने पहले ही बताया था...

पीड़ित के भाई रवि लोधी ने बुढार पुलिस की कार्यशैली की बखिया उधेड़ कर रख दी है। परिजनों का आरोप है कि आरोपी एक दिन पहले ही जान से मारने की धमकियां दे रहा था, जिसकी लिखित सूचना थाने में दी गई थी। सवाल यह है कि अगर पुलिस समय रहते कदम उठाती, तो क्या आज रोहित अस्पताल के बेड पर खून से लथपथ होता? क्या बुढार पुलिस अब केवल वारदात के बाद पंचनामा बनाने के लिए रह गई है।

मुझे तो कुछ पता ही नहीं!

हद तो तब हो गई जब इस गंभीर वारदात पर धनपुरी एसडीओपी विकास पाण्डेय से बात की गई। जिम्मेदार पद पर बैठे अफसर ने मामले से अनजान बनकर पल्ला झाड़ लिया। यह बेरुखी साफ दर्शाती है कि क्षेत्र में बदमाशों को पुलिस का डर क्यों नहीं रहा। जब आला अधिकारियों को ही जमीनी हकीकत का पता नहीं, तो अपराधियों के हौसले बुलंद होना लाजिमी है। बुढार पुलिस अपनी सुस्ती त्यागे और आरोपी अन्नू दास बैरागी को तत्काल सलाखों के पीछे भेजे। साथ ही, उन पुलिसकर्मियों पर भी गाज गिरनी चाहिए जिन्होंने शिकायत मिलने के बावजूद लापरवाही बरती। आखिर कब तक जनता अपनी सुरक्षा के लिए भगवान भरोसे रहेगी?

निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन 13 मार्च से

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026–27 में निजी स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च 2026 से प्रारंभ होंगे। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। आर.टी.ई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रारूप एवं निर्देश उपलब्ध कराये गए हैं। निजी विद्यालय में निःशुल्क प्रवेश के लिए आवेदकों का चयन, ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से 2 अप्रैल 2026 को किया जायेगा।

RTE अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026–27 में निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। समय-सारिणी एवं दिशा निर्देश आर.टी.ई. पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं।

सत्र 2026-27 के लिए जारी समय सारिणी के अनुसार, निःशुल्क प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट्स का पोर्टल पर प्रदर्शन 9 मार्च 2026 से किया जाएगा। वहीं वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के आवेदक अपना आवेदन, ऑनलाइन प्रक्रिया से 13 मार्च से 28 मार्च 2026 के बीच जमा कर पंजीयन कर सकते हैं। फार्म के साथ पात्रता सम्बंधित कोई भी एक दस्तावेज अपलोड करना होगा।ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदकों को इसी अवधि में त्रुटि सुधार का अवसर भी मिलेगा। 14 मार्च से 30 मार्च की अवधि में दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित संकुल केन्द्र वाले स्कूल में अधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी से करवाना होगा। आवेदक ने आर.टी.ई. में निःशुल्क प्रवेश के लिये जिस कैटेगरी,निवास क्षेत्र के माध्यम से प्रवेश चाहा है, तत्तसंबंधी कैटेगरी एवं निवास प्रमाण का सत्यापन, संबंधित मूल प्रमाण पत्र से किया जायेगा। लाटरी के पूर्व ही दस्तावेज सत्यापन हो जाने से, आवेदकों को स्कूल आवंटित होने के बाद दस्तावेजों की त्रुटि या अभाव में, एडमिशन निरस्त होने की समस्या उत्पन्न नही होगी।

ऑनलाइन आवेदन करने में कोई समस्या या कठिनाई होने की स्थिति में संबधित विकासखंड के बीआरसी कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है। 2 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन लॉटरी द्वारा छात्रों को निजी स्कूलों में सीट का आवंटन किया जायेगा। लॉटरी प्रक्रिया के उपरांत आवंटित सीट की जानकारी, आवेदक को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर, एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जायेगी। ऑनलाइन लॉटरी की सूची पोर्टल पर भी उपलब्ध रहेगी।

ऑनलाइन सट्टे ने ली पूरे परिवार की बलि

मां ने भी तोड़ा दम, अकेला रह गया मासूम बेटा

शहडोल। डिजिटल दुनिया के खूनी गेम और ऑनलाइन सट्टे ने शहडोल में एक और हंसते-खेलते परिवार को कब्रिस्तान में तब्दील कर दिया। पुरानी बस्ती में 24 फरवरी की काली रात को शुरू हुआ मौत का तांडव अब अपनी अंतिम परिणति पर पहुंच गया है। मेडिकल कॉलेज में 8 दिनों तक मौत से लोहा लेने के बाद आखिरकार मां राजकुमारी ने भी दम तोड़ दिया। इसी के साथ उस घर का चिराग बुझ गया, जहां कुछ दिनों पहले तक खुशियां बसती थीं। अब पीछे बचा है तो सिर्फ सन्नाटा और 15 साल के मासूम अनिकेत का उजड़ा हुआ संसार।

एविएटर के चक्कर में दांव पर लगाई जिंदगी

यह सिर्फ एक आत्महत्या नहीं, बल्कि ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों द्वारा फैलाए गए मायाजाल में फंसी एक बेबस पिता की मानसिक हत्या है। जानकारी के मुताबिक, शंकर लाल गुप्ता को बीडीजी और एविएटर जैसे ऑनलाइन सट्टा गेमों की ऐसी लत लगी कि वे लाखों रुपये हार गए। कर्ज के दलदल में धंसते चले गए शंकर लाल ने जब निकलने का कोई रास्ता नहीं देखा, तो उन्होंने खौफनाक कदम उठाया। उन्होंने कोल्डड्रिंक में जहर मिलाया और पहले अपनी पत्नी व मासूम बेटी स्वाति को पिलाया, फिर खुद भी मौत का घूंट पी लिया।

उजड़ गई पूरी दुनिया

25 फरवरी को नियति ने अपना क्रूर खेल दिखाया

जब पिता शंकर लाल और बेटी स्वाति की मौत हो गई। मां राजकुमारी अस्पताल के बिस्तर पर जिंदगी के लिए तड़पती रहीं, लेकिन शायद विधाता को कुछ और ही मंजूर था। बुधवार को उनकी मौत के साथ ही इस परिवार का अस्तित्व लगभग खत्म हो गया। 15 साल का बेटा अनिकेत, जो उस रात घर पर नहीं था, आज खुद को दुनिया में सबसे अकेला पा रहा है। उसके पास न पिता का साया बचा, न मां की ममता और न ही बहन का साथ।

कब जागेगा प्रशासन, कब बंद होंगे ये मौत के ऐप

यह घटना पूरे शहडोल शहर के लिए एक चेतावनी है। आखिर कब तक एविएटर और बीडीजी जैसे सट्टा ऐप युवाओं और मध्यमवर्गीय परिवारों को दीमक की तरह चाटते रहेंगे? विज्ञापन के जरिए रातों-रात अमीर बनने का सपना दिखाने वाले ये प्लेटफॉर्म असल में मौत के सौदागर बन चुके हैं। यह वक्त शोक मनाने का नहीं, बल्कि सजग होने का है। अपने आसपास नजर रखें, यदि कोई इस लत का शिकार है तो उसे बचाएं। प्रशासन से मांग है कि ऐसे सट्टा प्लेटफॉम्र्स पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए, ताकि फिर किसी अनिकेत का संसार न उजड़े।

पुरानी रंजिश में फूंकी मोटर साइकिल

बीच गांव में पेट्रोल डालकर फैलाई दहशत

शहडोल। कानून का खौफ किस कदर खत्म हो चुका है, इसकी बानगी जयसिंहनगर के बहेरहा गांव में देखने को मिली। यहाँ एक सिरफिरे दबंग ने पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए दिनदहाड़े एक युवक की बाइक को आग के हवाले कर दिया। आरोपी ने न केवल बीच सडक़ पर पेट्रोल छिडक़कर वाहन को खाक किया, बल्कि सरेआम चुनौती देते हुए फरार भी हो गया। इस खौफनाक मंजर को देखकर गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने को भागे।

दीदी-जीजा से रंजिश, साले की गाड़ी स्वाहा

जानकारी के अनुसार, ब्यौहारी क्षेत्र के ग्राम छिरहा निवासी दीपू साकेत होली की खुशियां मनाने अपने जीजा-दीदी के घर बहेरहा आया हुआ था। उसे क्या पता था कि गांव का एक दुश्मन बोतल में पेट्रोल लिए उसकी राह देख रहा है। दीपू जब दुकान से सामान लेने जा रहा था, तभी आरोपी हीरालाल चौधरी ने उसे रास्ते में रोक लिया। आरोपी का विवाद कुछ दिन पहले दीपू के जीजा-दीदी से हुआ था, जिसकी खुन्नस निकालने के लिए उसने इस कायराना वारदात को अंजाम दिया।

पेट्रोल और हाथ में माचिस

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो हीरालाल पूरी तैयारी के साथ आया था। विवाद के दौरान उसने बिना सोचे-समझे दीपू की बाइक पर पेट्रोल उड़ेल दिया और आग लगा दी। देखते ही देखते आग की लपटों ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन तब तक बाइक लोहे के कंकाल में तब्दील हो चुकी थी। आरोपी ने इस वारदात के जरिए पूरे गांव में अपनी दहशत कायम करने की कोशिश की है।

पुलिस की फाइल में फरार हुआ अपराधी

घटना की सूचना मिलते ही जयसिंहनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जले हुए वाहन का मुआयना किया। पीड़ित दीपू साकेत की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी हीरालाल चौधरी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से दूर है। सवाल यह उठता है कि क्या अब ग्रामीण क्षेत्रों में रंजिश निकालने के लिए सरेराह आगजनी जैसे हथकंडे अपनाए जाएंगे? जयसिंहनगर पुलिस केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर ऐसी सजा दिलाए कि दोबारा कोई इस तरह की हिमाकत न कर सके। अपराधियों के मन में खाकी का डर होना अनिवार्य है।

खबर संक्षेप

ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित

अनूपपुर। ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष क्रमांक 07659-222517 है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अनूपपुर के कार्यपालन यंत्री अमित कुमार साह ने बताया है कि कन्ट्रोल रूम के प्रभारी, सहायक मानचित्रकार एवं तकनीकी शाखा प्रभारी मनीष कुमार बैगा होंगे, जिनका मो.नं. 8839846254 है। कन्ट्रोल रूम में विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती सपना त्रिपाठी मो. नं. 9752452516 एवं सहायक ग्रेड-3 विनीत कुमार सोनी मो. नं. 7415769811 की ड्यूटी सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक तथा सहायक मानचित्रकार मनीष कुमार बैगा मो.नं. 8839846254 एवं सहायक ग्रेड-3 किशन सिंह परस्ते मो. नं. 7869137154 की ड्यूटी दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक के लिए लगाई गई है। उन्होंने बताया है कि कन्ट्रोल रूम द्वारा जिले एवं विकासखण्ड में पेयजल की समस्या एवं जलजनित बीमारियों से संबंधित प्राप्त शिकायतों का शिकायत पंजी में प्रविष्टि कर संबंधित सहायक यंत्री उपयंत्री को तत्काल पेयजल से संबंधित सूचना दी जाएगी एवं सहायक यंत्री उपयंत्री विकासखण्ड समन्वयक निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उपखण्ड स्तर पर भी पेयजल से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखण्ड अनूपपुर अंतर्गत सहायक यंत्री श्रीमती नीलिमा सिंह मो. नं. 8770938420, उपयंत्री अजय सिंह मो. नं. 7000656073 की ड्यूटी लगाई गई है। इसी तरह लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखण्ड कोतमा अंतर्गत सहायक यंत्री दीपक साहू मो. नं. 9993400770, उपयंत्री श्रीमती रमा नायक मो. नं. 8435484206, उपयंत्री अजय सिंह मो. नं. 7000656073 तथा विकासखण्ड समन्वयक गोकुल प्रजापति मो. नं. 9340959860 की ड्यूटी लगाई गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखण्ड राजेन्द्रग्राम अंतर्गत सहायक यंत्री दीपक साहू मो. नं. 9993400770, उपयंत्री श्रीमती नीलिमा सिंह मो. नं. 8770938420, उपयंत्री विकास कुमार मोदनवाल मो. नं. 8770313768 तथा सहायक ग्रेड-3 प्रवीण मिश्रा मो. नं. 7771081498 की ड्यूटी लगाई गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अनूपपुर के कार्यपालन यंत्री ने उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि जिला कन्ट्रोल रूम एवं उपखण्ड स्तरीय कन्ट्रोल रूम से प्राप्त शिकायतों को उनके द्वारा पंजीबद्ध कर निराकरण की कार्यवाही भी पंजीबद्ध करना सुनिश्चित करें।

निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च से

अनूपपुर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026/27 में निजी स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च प्रारंभ होंगे। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च निर्धारित की गई है। आरटी.ई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रारूप एवं निर्देश उपलब्ध कराये गए हैं। निजी विद्यालय में निःशुल्क प्रवेश के लिए आवेदकों का चयन, ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से 2 अप्रैल को किया जायेगा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026/27 में निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। समय-सारिणी एवं दिशा निर्देश आर.टी.ई. पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं। सत्र 2026-27 के लिए जारी समय सारिणी के अनुसार, निःशुल्क प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट्स का पोर्टल पर प्रदर्शन 09 मार्च से किया जाएगा। वहीं वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के आवेदक अपना आवेदन, ऑनलाइन प्रक्रिया से 13 मार्च से 28 मार्च के बीच जमा कर पंजीयन कर सकते हैं। फार्म के साथ पात्रता सम्बंधित कोई भी एक दस्तावेज अपलोड करना होगा। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदकों को इसी अवधि में त्रुटि सुधार का अवसर भी मिलेगा। 14 मार्च से 30 मार्च की अवधि में दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित संकुल केन्द्र वाले स्कूल में अधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी से करवाना होगा। आवेदक ने आर.टी.ई. में निःशुल्क प्रवेश के लिये जिस कैटेगरी/निवास क्षेत्र के माध्यम से प्रवेश चाहा है, तत्संबंधी कैटेगरी एवं निवास प्रमाण का सत्यापन, संबंधित मूल प्रमाण पत्र से किया जायेगा। लाटरी के पूर्व ही दस्तावेज सत्यापन हो जाने से, आवेदकों को स्कूल आवंटित होने के बाद दस्तावेजों की त्रुटि या अभाव में, एडमिशन निरस्त होने की समस्या उत्पन्न नही होगी। ऑनलाइन आवेदन करने में कोई समस्या या कठिनाई होने की स्थिति में संबंधित विकासखंड के बीआरसी कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है। 02 अप्रैल को ऑनलाइन लॉटरी द्वारा छात्रों को निजी स्कूलों में सीट का आवंटन किया जायेगा।

संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय बना शोपीस

तो क्या सिर्फ महीने में उगाही के लिए आयोजित की जाती है समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर शहडोल संभाग की नवगठित निकायों खासकर कोयलांचल क्षेत्र की निकायों का नगरीय निकाय के वरिष्ठ अधिकारियों की कार्यशैली और अनदेखी की वजह से बुरा हाल है, शासन के विभिन्न योजनाओं के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की निगरानी और मॉनिटरिंग सिर्फ कागजों में किए जाने से जमीनी स्तर पर विकास कार्यों का तेज गति से ना होना कहीं ना कहीं उच्च अधिकारियों की लापरवाही की ओर इंगित करता है, वैसे तो हर महीने समीक्षा बैठक संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एव विकास शहडोल में आयोजित की जाती है परंतु इस समीक्षा बैठक का क्या मतलब क्योंकि शासन की कई परियोजनाएं जो लंबित है वह आज भी वर्षों से लंबित ही हैं, उस पर कोई कार्यवाही नहीं होती और ना ही कोई निर्णय लिया जाता है, आखिर ऐसे में कैसे राज्य सरकार और केंद्र सरकार के द्वारा जन कल्याणकारी कार्य जो जमीनी स्तर पर जन हितैषी कराए जाने वाले कार्य हैं वह पूर्ण करने का सपना साकार हो पाएगा?

अनूपपुर जिले के नवगठित निकाय नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष एवं जिला योजना समिति के सदस्य डॉ. सुनील कुमार चौरसिया ने खुलासा करते हुए बताया कि जेडी कार्यालय के द्वारा सिर्फ खाना पूर्ति के समीक्षा बैठक की जाती है, यदि समीक्षा बैठक वास्तव में शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने और जनता को लाभ दिलाने के लिए की जाती तो कहीं ना कहीं इसका लाभ जमीनी स्तर पर नागरिकों को मिलता उदाहरण स्वरूप नगर परिषद डूमरकछार सहित संभाग की कई निकायों में शासन की जनहितैषी योजनाएं जो जेडी कार्यालय के नाकामयाबी की वजह से वर्षों से लंबित है, जिसका सीधा-सीधा असर जनता को मिलने वाले लाभ से है, जेडी कार्यालय का यह कृत्य कहीं ना कहीं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की छवि खराब करने की ओर भी इंगित करता है श्री चौरसिया ने आरोप लगाते हुए कहा है कि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह मासिक समीक्षा बैठक मात्र लिफाफों के लेनदेन के लिए आयोजित की जाती है, और बैठक के नाम पर अधिकारियों की निकाय से गायब रखने की योजना रहती है, बैठक के नाम पर अधिकारी एक दिन पहले और बैठक के एक दिन बाद लगातार लगभग तीन दिन तक निकायों से गायब रहते हैं जिससे निकाय के जनहितैषी कार्य प्रभावित होते हैं, यदि वास्तव में यह मासिक समीक्षा बैठक सरकार के कामों को जमीन तक उतारने के लिए की जाती तो निकायों में वर्षों से लंबित कार्य आज भी लंबित न रहते।

निर्माण कार्यों में विलंब एवं शासन-प्रशासन के द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों से निर्वाचित जनप्रतिनिधियां से ना ही कोई राय ली जाती है और ना ही कार्यों को जमीन पर उतारने के लिए कोई सकारात्मक पहल की जाती है, यहां तक की शासन के द्वारा आए पत्रों को स्थानीय सीएमओ कचरे के डब्बे में डाल देते हैं, और गलत रिपोर्ट डालकर उन पत्रों का जवाब दे दिया जाता है, जेडी कार्यालय में बैठे जेडी भी अपनी आंख बंद किए रहते हैं, आखिर आंख भी बंद क्यों ना हो, महीने में समीक्षा तो हो ही जा रही है और समीक्षा के बाद जो परिणाम सामने आ रहे हैं वह भी साहब की जेब गर्म करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इतना ही नहीं इन मासिक समीक्षा बैठकों के जो बैठकें होती हैं इस बैठक में स्वल्पाहार या अन्य प्रकार के खर्च भी किसी ना किसी निकाय से ही वसूल किए जाते हैं यह कैसी समीक्षा बैठक? विश्वसनीय सूत्रों की माने तो जिन समीक्षा बैठकों का व्यय जेडी कार्यालय के द्वारा निकाय से लिया जाता है वह भी ऑन रिकॉर्ड वही व्यय इनके ऑफिस से भी भुगतान कराया जाता है आखिर एक ही बैठक का दो भुगतान कैसे?

इनका कहना है

समीक्षा बैठक प्रतिमाह संभागीय संयुक्त संचालक के द्वारा आयोजित की जाती है, तब भी शासन की ऐसी कई योजनाएं हैं जो जमीनी स्तर पर अब तक शुरू हो जानी चाहिए थी या पूर्ण हो जानी चाहिए थी, शासन की योजनाओं से मिली राशि का सदुपयोग हो जाना चाहिए था परंतु ऐसा ना करके सिर्फ कागजी खाना पूर्ति अपने निजी स्वार्थ के लिए समीक्षा बैठक में की जाती है।

डॉ. सुनील कुमार चौरसिया
अध्यक्ष नगर परिषद डूमरकछार एवं सदस्य जिला योजना समिति अनूपपुर

अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से चार दिवसीय खेल महोत्सव, युवाओं में दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं में खेल भावना विकसित करने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से कोतमा तहसील अंतर्गत मझौली में 23 से 26 फरवरी तक चार दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। परियोजना से जुड़े गांवों के 168 युवाओं ने क्रिकेट, फुटबॉल एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्रिकेट प्रतियोगिता में उमरदा पंचायत की टीम ने कोठी ग्राम पंचायत की टीम को पराजित कर विजेता का खिताब जीता। फुटबॉल में कोठी ग्राम पंचायत की टीम ने गुलीडांड पंचायत की टीम को कड़े मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मझौली पंचायत की टीम ने उमरदा पंचायत की टीम को पराजित कर विजेता कप हासिल किया। तीनों खेलों के फाइनल मुकाबले अंतिम क्षणों तक रोमांचक रहे। बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने तालियों के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान अनूपपुर थर्मल प्लेइंग इलेवन एवं सरपंच प्लेइंग इलेवन के बीच खेले गए मैत्री मैच ने सौहार्द और सामुदायिक एकता को और मजबूत किया। इस अवसर पर अदाणी समूह की ओर से साइट हेड अरुण सिंह, प्रोजेक्ट हेड राजीव गुप्ता, अनुराग सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। अदाणी फाउंडेशन द्वारा विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी के साथ जर्सी सेट एवं खेल किट प्रदान की गई, वहीं सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को जर्सी सेट एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अदाणी फाउंडेशन का मानना है कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथसाथ मानसिक विकास, आत्मविश्वास और अनुशासन को भी बढ़ावा देते हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार ऐसे आयोजनों से ग्रामीण युवाओं की प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। अदाणी फाउंडेशन द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के खेल आयोजनों का आयोजन जारी रहेगा।

जिले भर में होली की रही धूम, सुरक्षा के लिए पुलिस ने दिखाई मुस्तैदी

धूमधाम से मनाया गया अटूट प्रेम का प्रतीक भाई दूज का त्यौहार

बसों की रही किल्लत, झेलनी पड़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

उमंग, उल्लास का प्रतीक रंगों का त्योहार रंगोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। जिला मुख्यालय सहित कोतमा, बिजुरी, राजनगर, रामनगर, भालूमाड़ा, जमुना, जैतहरी, वेंकटनगर, राजेंद्रग्राम, अमरकंटक सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र रंगों से सराबोर रहा। चारों ओर अबीर-गुलाल उड़ा। डीजे की धुन और ढोल की थाप पर बच्चे व युवा झूमते रहे और एक-दूसरे पर रंग उड़ेलते रहे। लोगों ने गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। पुलिस ने गली-मोहल्लों में गश्त किया। नगर व ग्रामीण क्षेत्र में रंगों का त्योहार हर्षोल्लास से शांतिपूर्वक मनाया गया। महिलाएं बच्चे एवं बड़े जमकर होली का लुफ्त उठाया। क्षेत्र में एक दूसरे ने अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। गांवों में युवा सड़क से गुजर रहे लोगों पर रंग लगाते नजर आए। बच्चों के अलावा बडों ने भी एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। युवकों ने डीजे पर जमकर डांस किया। जगह-जगह होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस भी अलर्ट रही। क्षेत्र मे होली पर्व शान्तिपूर्वक मनाया गया। होली का त्यौहार हो और फाग की बात ना हो ऐसे में होली का पर्व अधूरा सा लगता है। होली पर्व को लेकर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह फाग की टीम ने फगुआ गाकर होली पर्व को और खुशनुमा बना दिया यह सिलसिला सुबह से लेकर देर रात तक चलता रहा। गुरुवार को भैया दूज का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। भाइयों के माथों पर तिलक कर बहनों ने दीघार्यु की कामनाएं की। बहनों को आकर्षक उपहार दिए गए। सुबह से ही बाजारों में भीड़ उमड़ गई थी। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में त्योहार परंपरा के साथ मनाया गया।

अटूट प्रेम का त्यौहार

भैया दूज का पर्व प्रेम का प्रतीक है और अटूट प्रेम को दशार्ता है। इस दिन खुशियों से बहन-भाईयों की झोली भर जाती है। दीघार्यु की कामना होती है और सुरक्षा का संकल्प दिया जाता है। गुरुवार को भैया दूज पर्व को लेकर बहन-भाईयों में उत्साह था। विवाहित बहनें अपने मायके पहुंचकर परंपराओं का निर्वहन किया। वहीं भाई भी बहन की ससुराल पहुंचकर कोथली देकर अपनी रीति रिवाज को निभाया। दीघार्यु के लिए माथों पर तिलक कर और मिठाई खिलाकर कामनाएं की।

रक्षा करने का संकल्प

कभी किसी तरह की बाधा न आए इसके लिए ईश्वर से कामनाएं की। वहीं भाईयों ने आकर्षक और मनमोहक उपहार देकर उनकी हमेशा रक्षा करने का संकल्प दिया। त्योहार को लेकर बाजारों में भारी भीड़ रही। गिफ्ट सेंटरों से आकर्षक उपहार खरीदे गए। कपड़े खरीदने को लेकर भी उत्साह रहा। मिठाई की दुकान पर भारी भीड रही। सुबह से ही बाजारों में लोगों की भीड़ बढ़ना शुरू हो गई थी। छोटे बच्चों में भैया दूज के पर्व को लेकर उत्साह रहा है। ताली सजाकर उसमें सूखा गोला, सिंदूर और मिठाईयां रखी। उसके बाद परंपराओं के अनुसार टीका किया और मिठाई से मुंह मीठा कराया। उसके बाद धनराशि या उपहार दिए गए। खेल-खिलौने लेकर छोटी बहनों में खूब मस्ती की।

बसों की रही किल्लत, झेलनी पड़ी परेशानी

भैया दूज के पर्व के मौके पर बसों की किल्लत रही है। बस स्टैंड पर घंटों तक इंतजार करना पड़ा। यहां तक कि बसों में सवारियों को खचाखच भरकर ले जाया जा रहा था, जिस कारण असुविधा का सामना करना पड़ा। यह हाल जिले के सभी मार्गो पर था। वहीं डग्गामार वाहन चालकों ने जमकर चांदी काटी। कुछ स्थानों पर निर्धारित रेट से अधिक की वसूली की गई। प्राइवेट वाहन और बाइकों की सभी मार्गो पर आवाजाही रही है।

पाठक दंपति परिक्रमावासियों की सेवा में समर्पित, दे रहे निःशुल्क उपचार

डॉ. आशुतोष पाठक एवं श्रीमती कामना पाठक कर रहे मानव सेवा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में मानव सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण देखने को मिल रहा है। बहुजन हिताय/बहुजन सुखाय की भावना से कार्यरत स्थानीय कल्याण सेवा आश्रम में सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. आशुतोष पाठक एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कामना पाठक नर्मदा परिक्रमा पर निकले गरीब, दीन-हीन और असहाय परिक्रमा वासियों का निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार कर मानव सेवा का अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं। मां नर्मदा की परिक्रमा में दूर-दराज क्षेत्रों से आए अनेक श्रद्धालु यात्रा के दौरान बीमार पड़ जाते हैं और उपचार के लिए इधर-उधर भटकते रहते हैं। गत दिनों लगभग 25 से 30 बीमार परिक्रमा वासी उपचार की तलाश में परेशान हो रहे थे। इस स्थिति को देखते हुए कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंधक ट्रस्टी हिमाद्री मुनि महाराज ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए तत्काल डॉ. पाठक दंपति से संपर्क कर उनका परीक्षण और उपचार कराने का अनुरोध किया। डॉ. पाठक एवं श्रीमती पाठक ने तत्परता दिखाते हुए सभी बीमार परिक्रमा वासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा आवश्यक दवाइयों के साथ उनका निःशुल्क उपचार किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. आशुतोष पाठक जिला चिकित्सालय पेंड्रा-गौरेला-मरवाही से सेवानिवृत्त हैं, जबकि उनकी पत्नी श्रीमती कामना पाठक वर्तमान में जिला चिकित्सालय पेंड्रा-गौरेला में अपनी सेवाएं दे रही हैं। जब भी उन्हें अवकाश मिलता है, तब दोनों दंपति अमरकंटक पहुंचकर गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों का निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार करते हैं। इसी क्रम में गुरुवार 5 मार्च को भी संध्याकाल आश्रम परिसर में उपस्थित परिक्रमा वासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया। पाठक दंपति का यह सेवा कार्य न केवल मानवता की मिसाल है, बल्कि नर्मदा परिक्रमा पर आए श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ा सहारा भी साबित हो रहा है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर चंद्रदेव सिंह का निधन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं प्रथम कुलपति प्रोफेसर चंद्रदेव सिंह (प्रो. सी. डी. सिंह) का 3 मार्च को गोरखपुर में निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही अमरकंटक सहित समूचे शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई। प्रोफेसर सी. डी. सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रारंभिक काल से ही उसके सुदृढ़ निर्माण, शैक्षणिक विस्तार एवं जनजातीय शिक्षा के उन्नयन के लिए समर्पित रहे। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उन्होंने जनजातीय विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के अवसर सुलभ कराने तथा अनुसंधान को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल में विभिन्न संकायों की स्थापना, अधोसंरचना विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव रखी गई। शिक्षा जगत में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के समस्त प्रोफेसरों एवं प्रारंभिक दौर के प्राध्यापकगण डॉ. संजीव सिंह, डॉ. अखिलेश सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने गहरा शोक व्यक्त किया। नगर अमरकंटक के जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों वरिष्ठ भाजपा नेता राहुल पांडेय, अंबिका प्रसाद तिवारी, रामगोपाल द्विवेदी, बबिता सिंह, अंजना कटारे, प्रकाश द्विवेदी सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। अमरकंटक के पत्रकारगण धनंजय तिवारी, उमाशंकर पांडेय 'मुन्नू', श्रवण उपाध्याय, सोमू दुबे, विपुल बरमैया, संजय श्रीवास एवं अन्य पत्रकार साथियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। जगत जननी मां नर्मदा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करें।

अमरकंटक 'वॉटरफॉल माउंटेन ट्रैक' की चार दिवसीय साहसिक यात्रा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला प्रशासन अनूपपुर द्वारा मां नर्मदा की पावन नगरी अमरकंटक में 28 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित चार दिवसीय 'अमरकंटक वॉटरफॉल माउंटेन ट्रैक' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्व प्रसिद्ध ट्रैकिंग संस्था के सहयोग से संपन्न हुआ। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में आयोजित इस ट्रैक का उद्देश्य जिले में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देना एवं स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजित करना रहा। आयोजन के माध्यम से जिले की प्राकृतिक संपदा, जैव-विविधता एवं सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

पारंपरिक स्वागत से हुआ शुभारंभ

28 फरवरी को ट्रैकर्स दल के अमरकंटक आगमन पर स्थानीय ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक तिलक एवं पुष्पगुच्छ से आत्मीय स्वागत किया गया। ट्रैक का प्रथम पड़ाव जोहिला डैम में रहा, जहाँ अस्थायी टेंट सिटी (बेस कैंप) स्थापित की गई।

प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण

चार दिवसीय ट्रैक के दौरान प्रतिभागियों ने जोहिला क्षेत्र के सघन वन, पडौना वॉटरफॉल, शंभू सरोवर सहित अन्य मनोरम स्थलों का भ्रमण किया। ट्रैकर्स ने क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता एवं शांत वातावरण की सराहना की।

स्थानीय रोजगार को मिला प्रोत्साहन

आयोजन के दौरान स्थानीय गाइड, होम-स्टे संचालक एवं परिवहन सेवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए। जिला प्रशासन द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से साहसिक पर्यटन को प्रोत्साहित किए जाने की योजना है। चार दिवसीय यह आयोजन अनूपपुर जिले को एडवेंचर टूरिज्म के मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सफल पहल सिद्ध हुआ है।

ग्रीन ट्रेल्स' एवं शून्य कचरा नीति का पालन

पूरे अभियान के दौरान नीति के अंतर्गत शून्य कचरा सिद्धांत का सख्ती से पालन किया गया। प्रतिभागियों द्वारा अपना समस्त कचरा वापस लाया गया तथा मार्ग में प्राप्त अन्य अपशिष्ट सामग्री का भी संकलन किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

पर्यावरण संरक्षण का सामाजिक संदेश देने आयोजित हुआ गौ काष्ठ होलिका दहन

अनूपपुर। पर्यावरण संरक्षण के सामाजिक संदेश पर आधारित गौ काष्ठ आधारित होलिका दहन कार्यक्रम राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार जिला मुख्यालय अनूपपुर के सामतपुर तालाब परिसर में आयोजित किया गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने पर्यावरण संरक्षण व वनों को कटाई से बचाने के लिए इस बार होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गौ काष्ठ (गोबर से निर्मित लकड़ी) और उपलों के उपयोग को प्राथमिकता दी गई। इसके लिए जन सहभागिता और सामाजिक संगठन शिव मारुति युवा संगठन अनूपपुर के माध्यम से गौकास्ट, उपलो की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए होलिका दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर, एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी, आरटीओ सुरेंद्र सिंह गौतम, जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नोडल अधिकारी